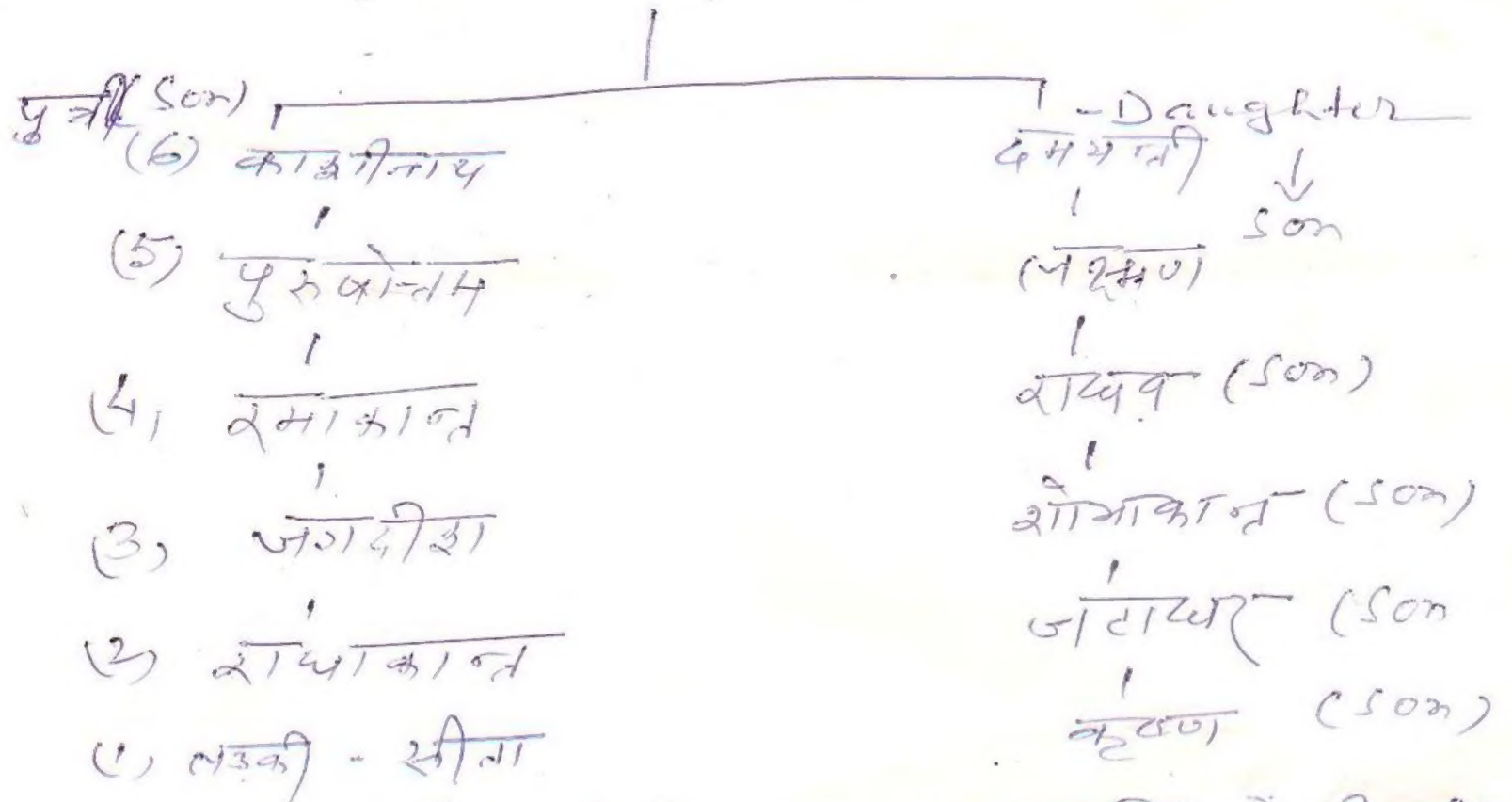


पितृ पक्ष Table - 1

(7) लीलाधर बीजी पुरुष (Common person)

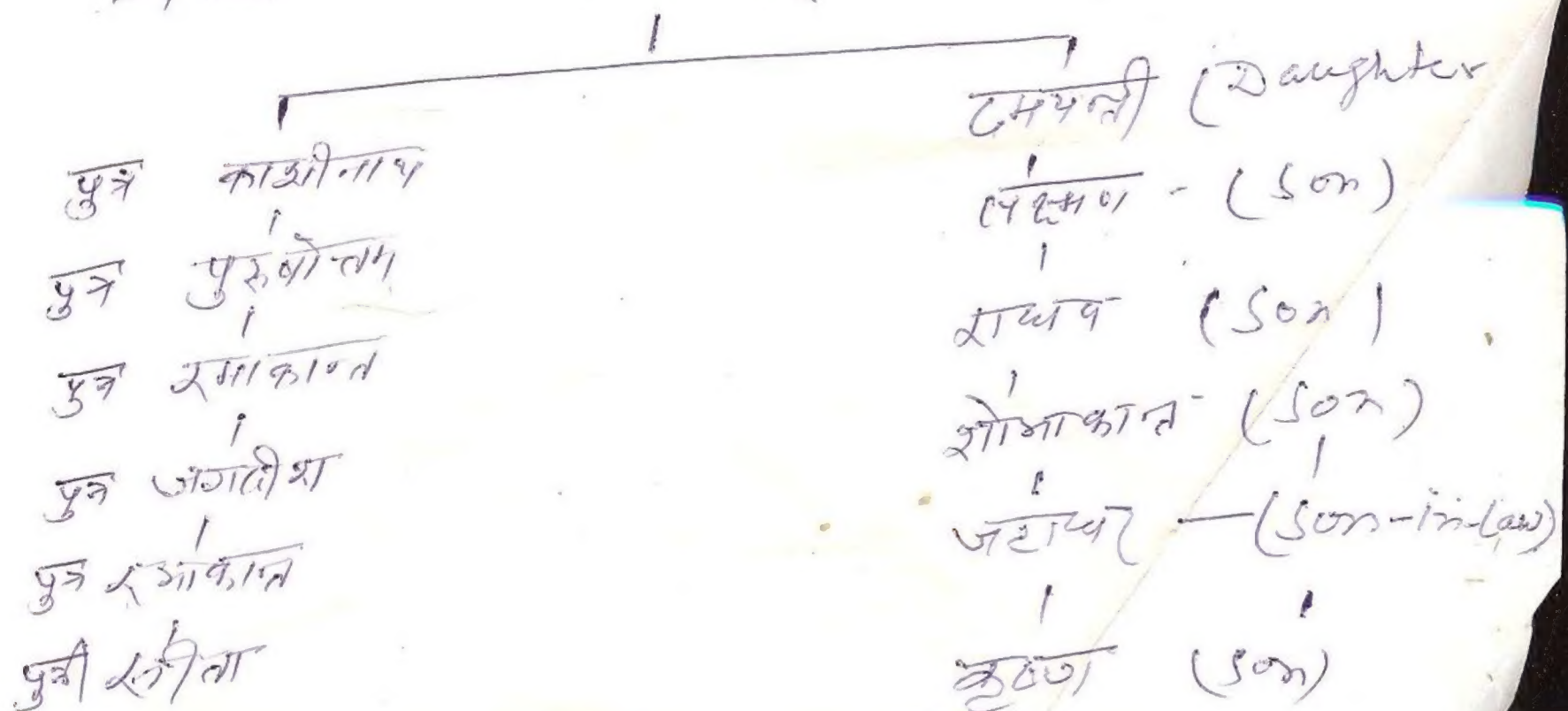


अब इस परिचय को आजगल्लय स्मृति से दी गई व्यवस्था - पंचमात्सप्रमापूर्व मानवः पितृवस्थता से जांचते हैं तो पाते हैं कि बधू सीता कर कुण के पितृ पक्ष से सम्बन्धित है और बीजी पुरुष (Common person) से सातवें स्थान पर है और दोनों के पिता में लीलाधर का गुण युग्म (Chromosome) विद्यमान है. ऐसी परिस्थिति में दोनों का पाला विवाह होने पर उत्पन्न सन्तान दोष मुक्त होगा.

मातृ पक्ष

Table - 2

लीलाधर



(4)

उपरोक्त Table-2 का परिचय देवने पर पता चलता है
 कन्या (वधू) सीता बीजी पुरुष सीताधर से सातवरी
 परती है, परन्तु बीजी पुरुष (Common person) सीताधर
 वर कृष्ण के मातृ पक्ष से सम्बन्धित है, क्योंकि वर के
 पिता जराधर बीजी पुरुष (Common person) सीताधर
 के पुत्र की लगावारीता में न होकर दामाद (Son-in-law)
 है। अतः वे (सीताधर) वर की मातृ पक्ष से सम्बन्धित हैं।
 जबकि याज्ञवल्क्य स्मृति में दी गई उपरोक्त व्यवस्था
 जो गुण-युक्त (Common person) का निर्धारण होता है वर
 मातृ पक्ष में 5 पीढ़ी (Degree) के बाद अपनी निम्नतरता
 को देती है ऐसा कहा गया है। निष्कर्षतः यहाँ उल्लेखित
 में वधू-सीता और वर कृष्ण के पाला विवाह सम्बन्ध
 हो सकता है और उससे उत्पन्न संतान निर्दोष होगी।
 इस सम्दर्भ में मनु का भी यही मत है -

मनुस्मृति :- असपिण्डान्व या सातुरस गौत्रा-कथापितुः ।
 साप्रशस्ता द्विजातीनां दार कर्मणि मै पुनः ॥

असपिण्डा का अर्थ है पिण्ड रहित।

स्मृति तत्त्व नारदः

आसप्तमात्पंचमाह्य वंध्युश्चः पितृ मातृतः ।

अविवाह्या सगौत्रा-व सगाम प्रकरा तथा ॥

पिता की ओर से सातवीं पीढ़ी तथा माता की ओर से पाँचवीं पीढ़ी
 तक तथा समान गौत्र और समान घर में विवाह नहीं करनी
 चाहिए।

विष्णु पुराण

पंचमी मातृ पक्षाद्यपि पितृ पक्षाच्च सप्तमी ।

गृहस्थ उद्गृहे कन्या न्यायेन विधिना नृपेति ॥

स्तौत्री करिहरा

दानश्याम

॥
रैया

सनूप

किर्तिनाथ

हरिनाथ

वैदिक चित्रनाथ वैदिकधननाथ रवगनाथ

शूलपाणि गदापाणि वज्रपाणि धादव डीठर

देवकीनन्दन श्रीकानन्द

सिंहेश्वर

महेश्वर

काशीनाथ श्यामानन्द जयनारायण सुबोध विनोद प्रभोद

गंगानाथ उदितनाथ

अरुण भोजन भीमन (विनयप्रकाश विन्दु प्रकाश) मदनप्र

रमान प्रकाश

(चैत्या तरोनी काकहा गीकदुर्ग)

શ્રી સંતોષ મા પાદીયેલ-

૬૧૬ શ્રી ^{ભાઈ} જી/પ.મા.૩૫૬૬૫૫

વરિગાગા - જોશનાય મિત્ર સ્વીતનમિત્ર
સદગતિ - - દીકર

કામ - શ્રી જગત્ ભાઈ પાંચી
૬૨૧ - ૧ ઉચ્ચ રામી

૬૧૬ ભાઈ -
ગાગા વરિગાગા

મમા
જગત્
મમી ગાગા પાંચી
ગાગા જગત્

ગાગા
મમી
ગાગા
મમી

ગાગા
મમી

ॐ गणेशाय नमः ।

पञ्चाङ्गिक सिद्धान्तं पञ्चमिदम् निरूप्यते ।
सहस्रं मासं लब्धं तत्सुरदेपुरं ग्रामं निवासि-
नः स्वामिं सिंगारपुरं मूलकं स्वामिं काश्चाप-
गौतमं श्री योगेश्वरं शर्मणः कनिष्ठपुत्रम् ।
श्री विश्वेश्वरं कुमारिकां सह उक्तं मण्डलान्
गम्य कुरु ग्रामं निवासिनः विलासं काश-
मूलकं मारुतं गौतमं श्री रतिनाथं
शर्मणः पुत्रं श्री अमरनाथं शर्मणः
कोपिपुत्रं संस्कारः सिद्धान्तः ।
उभयोः पक्षयोः संपिण्डं भाव्यं
पञ्जीशाहने दुष्टं विकारं संवर्धये
न कुरुष्वित् नैतिविर्लभः प्राप्यते ।

विवाह विद्यादिः
आंग्लमिति २२। २। १५ ६६

मासः -

पक्षः -

तिथिः -

दिनम् - रविवारः इति शम्भु
हस्ताक्षरम्
पञ्जीकारः

कुमारिका . श्रीयोगेश्वरम्
विवाहः १०० पुत्रानाम्
पुत्रिणम् - स्वपामाम्
पुत्र लोकां विमलम्
पुत्र - श्रीमन्मयं मित्रं
पुत्र - स्वामिं उक्तं ६१ ७६

25.5.25
25.5.25

ଅନୁଷ୍ଠାନ
ଅନୁଷ୍ଠାନ
ଅନୁଷ୍ଠାନ
ଅନୁଷ୍ଠାନ

ଅନୁଷ୍ଠାନ - ଅନୁଷ୍ଠାନ -
ଅନୁଷ୍ଠାନ - ଅନୁଷ୍ଠାନ -
ଅନୁଷ୍ଠାନ - ଅନୁଷ୍ଠାନ -
ଅନୁଷ୍ଠାନ - ଅନୁଷ୍ଠାନ -

ଅନୁଷ୍ଠାନ - ଅନୁଷ୍ଠାନ -

ଅନୁଷ୍ଠାନ - ଅନୁଷ୍ଠାନ -

ଅନୁଷ୍ଠାନ - ଅନୁଷ୍ଠାନ -

1. ଅନୁଷ୍ଠାନ - ଅନୁଷ୍ଠାନ -

ଅନୁଷ୍ଠାନ - ଅନୁଷ୍ଠାନ -

ଅନୁଷ୍ଠାନ - ଅନୁଷ୍ଠାନ -

ଅନୁଷ୍ଠାନ - ଅନୁଷ୍ଠାନ -

प्रशासकीय मादामक जमेल

* श्रीदुर्गा श्रीमाधव श्रीगणेशाः *

महाराजाधिराज श्री ५ मान मिथिलेश क भाज्ञानुसार पछवारिपारक लौकिक
तथा श्रेणीक व्यवस्था पञ्जीकर लोकनि जे स्थिर कयलैन्हि अछि से

प्रकाशित कयल जाइछ एहि मध्य जनिका किछु वक्तव्य

होइन्हि से प्रार्थना पद्य द्वारा श्री ५ मान मध्य

निवेदन करथि ततः पदार्थ विनिश्चय सभा

मध्य एकर परामर्श कय पुनः

प्रकाशित कयल जायत ।

लौकिक न०	पछवारिपारक लौकिक नाम	श्रेणी न०	लौकिक न०	लौकिक नाम	श्रेणी न०
१	नरपति झा	प्रथम (१)	६	छोटी झा	चतुर्थ (४)
२	माधवमिश्र	"	७	कोकडीही	"
३	गोनूमिश्र	"	८	पकड़ी	"
४	अश्वन झा	"	९	प्रतिहस्त	"
५	भज्जन झा	"	१०	नरहा	"
६	नीलाम्बर मिश्र	"	११	महथूपाठक	"
७	नन्दन झा	"	१२	शीलानाथ	"
८	करिये झा	"			
९	सिंहवाड़	"	१	हसनारायण ठाकुर	पञ्चम (५)
१०	कस्तूरी	"	२	सखा झा	"
१	पद्मा झा	द्वितीय (२)	३	तुलाठाकुर	"
२	श्रीकांत झा	"	४	नित्यानन्द चौधरि	"
३	मनियारी	"	५	बटाड़ मिश्र	"
४	नरपति मिश्र	"	६	महेरमान ठाकुर	"
५	अमोन	"	७	पद्म	"
६	खुसियाल मिश्र	"	८	खगेश झा	"
७	गोनू झा	"	९	खुटीनियां	"
८	परमानन्द चौधरि	"	१	तारापति झा	षष्ठ (६)
९	कमलनयन पाठक	"	२	गोइ मिश्र	"
१०	महादेव झा	"	३	बल्ली चौधरि	"
१	चनानन्द झा	तृतीय (३)	४	मुरली झा	"
२	गणपति मिश्र	"	५	अदन मिश्र	"
३	जीवकरण मिश्र	"	६	लक्ष्मीपति मिश्र	"
४	धारे झा	"	७	विश्वनाथ झा	"
५	सुरारि मिश्र	"	८	नील मिश्र	"
६	देवानन्द झा	"	१	बदनी झा	सप्तम (७)
७	पनाइ मिश्र	"	२	हिरदी झा	"
१	भराम	चतुर्थ (४)	३	विश्वेश्वर चौधरि	"
२	शूलपाणि झा	"	४	वंशो चौधरि	"
३	वसन्तपुर	"	५	वरानो	"
४	प्रभाकर चौधरि	"	६	महसैन	"
			७	सनाकर झा	"
			८	यदुना झा	"
			९	मदुल झा	"

लौ० न०	लौकिक नाम	श्रेणी न०	लौ० न०	लौकिक नाम	श्रेणी न०
१	बोधकृष्ण झा	अष्ट (८)	१०	अम्दी मिश्र	"
२	बीर झा	"	११	गुणानन्द झा	"
३	मालापुर	"	१२	भक्षी	"
४	नरेश झा	"	१३	मोहना	"
५	कस्त झा	"	१४	मुगारी	"
६	पति मिश्र	"	१५	सप्ता	"
७	मोगल झा	"	१६	वेरमा	"
८	गतिराम झा	"			
९	प्रतापनारायण	"			

१	रतिकर झा	नवम (९)
२	झाझारपुर	"
३	भक्तपुर	"
४	कौशिकीदत्त झा	"
५	टंकवाल महिधर झा	"
६	गुनी झा शकराही	"
७	मदेशपुर	"
८	हालो	"
९	महिधर झा	"
१०	नारो झा	"
११	वेचू झा	"

१	कन्हौलो	दशम (१०)
२	मचली मिश्र	"
३	विष्णुदत्तपुर	"
४	धराधर चौधरि	"
५	चीरा मिश्र	"
६	रुद्र नारायण	"
७	लक्ष्मी नारायण	"
८	प्रद्युम्न झा	"
९	भड़गामपाली	"
१०	भुवन झा	"
११	नित्यानन्द कुजौली	"
१२	खौआल कौशिकीदत्त	"
१३	चक्रपाणि चौधरि	"
१४	विन्धी महादेव झा	"

१	रशिक नारायण	एकादश (११)
२	भुवन झा	"
३	सागरपुर	"
४	चान पाठक	"
५	बहेड़ी	"
६	खण्डू	"
७	तरौनी बलियास	"
८	हरिहर	"
९	काक ठाकुर	"

१	नक्कू झा	द्वादश (१२)
२	यशीभुवन	"
३	नीधि मिश्र	"
४	हरदत्त ठाकुर	"
५	लालविहारी झा	"
६	रोहाड़	"
७	कलुआ	"
८	नेहाल चौधरि	"
९	उमाई मिश्र	"
१०	आभी झा	"
११	फेठ कटार्	"
१२	भरविन्द झा	"
१३	अचल प्रभुनाथ झा	"
१४	मीरास मोखार	"
१५	लदौराक बलियास	"

१	पडोल नरौन	त्रयोदश (१३)
२	रंक झा	"
३	कोलहड़ा	"
४	जांता	"
५	नागदह	"
६	मन्नूराम झा	"
७	रघुपति झा कलुआल	"
८	घाना गरवण	"
९	रमानाथ पाली	"

१	माखीराम चौधरि	चतुर्दश (१४)
२	अम्दी कन्दह	"
३	बबन देवान	"
४	राजहा	"
५	धारु ठाकुर	"
६	जनाड़	"
७	झानी ध्यामी	"
८	भातठाकुर	"

ଓଡ଼ିଆ ଓଡ଼ିଆ ଓଡ଼ିଆ ଓଡ଼ିଆ ଓଡ଼ିଆ ଓଡ଼ିଆ ଓଡ଼ିଆ
 ଓଡ଼ିଆ ଓଡ଼ିଆ ଓଡ଼ିଆ ଓଡ଼ିଆ ଓଡ଼ିଆ ଓଡ଼ିଆ ଓଡ଼ିଆ
 ଓଡ଼ିଆ ଓଡ଼ିଆ ଓଡ଼ିଆ ଓଡ଼ିଆ ଓଡ଼ିଆ ଓଡ଼ିଆ ଓଡ଼ିଆ
 ଓଡ଼ିଆ ଓଡ଼ିଆ ଓଡ଼ିଆ ଓଡ଼ିଆ ଓଡ଼ିଆ ଓଡ଼ିଆ ଓଡ଼ିଆ

ଓଡ଼ିଆ ଓଡ଼ିଆ
 ଓଡ଼ିଆ ଓଡ଼ିଆ
 ଓଡ଼ିଆ ଓଡ଼ିଆ
 ଓଡ଼ିଆ ଓଡ଼ିଆ

ଓଡ଼ିଆ ଓଡ଼ିଆ
 ଓଡ଼ିଆ ଓଡ଼ିଆ

682991
 682991

(३)

लौ. न०	लौकिक नाम	श्रेणी न०	लौ. न०	लौकिक नाम	श्रेणी न०
१	कालाठाकुर	पंचदश (१५)	४	काक ठाकुर	"
२	नीलाचर बसियास	"	५	सधौर	"
३	नीलाचर चौधरी	"	६	हरदत्त शा	"

लौकिक नाम

१५

श्रेणी संख्या

१५

दः श्री विश्वनाथ शा उः निरसुसा पञ्जीकार लौकिक श्रेणी दुस्त वः सास

दः श्री गोपोनाथशा उः लुनाथशा " " "

दः श्री गङ्गाधर ठाकुर " " "

दः श्री लूटनशा " " "

दः श्री विष्णुदत्त मिश्र " " "

दः श्री वेदान्त मिश्र " " "

दः श्री उमापतिशा " " "

दः श्री लक्ष्मीदत्त मिश्र " " "

दः श्री कुमारशा " " "

दः श्री चिरञ्जीवशा " " "

दः श्री रघुनाथशा " " "

दः श्री गिरीनाथशा पञ्जीकार लौकिक श्रेणी दुस्त वः रघुनाथशा मजकुर

713627

22/12/2021

[illegible]

પાલ પુત્રના યમા -
પાલે ઉપાનિયમા રજીસ્ટર કરાવે
મીરાજીયે

મીરાજી - મીરાજી - ઉપાનિ

સારું -
પાલ પુત્રના યમા -

મીરાજીયે

મીરાજી - મીરાજી -

મીરાજી - મીરાજી -

મીરાજી - મીરાજી -